एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त तथा कोटा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

चूली गेट, मिर्जापुर रोड़, गंगापुर सिटी, जिला-सवाई माधोपुर
फोन : 07463-230202 मो. 9414365009, 9414394571
Website : www.bspmgc.org

prospectus

2024-25

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Bhagwati Shikshak Prashikshan Mahavidyalaya
Gangapur City, Sawai Madhopur, affiliated to University of Kota, Rajasthan as
Accredited
with CGPA of 2.63 on seven point scale
at B+ grade
valid up to January 22, 2022

Date : January 23, 2017

Director

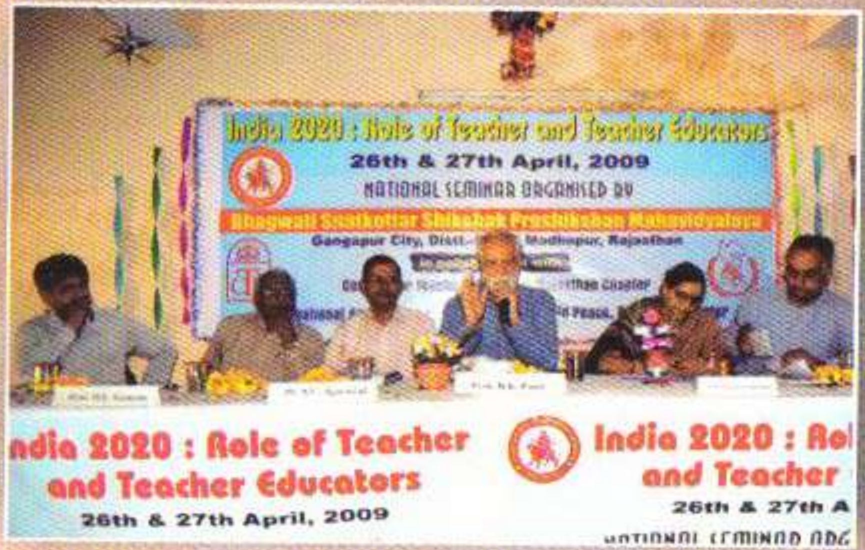

विद्यालय प्रेरणा स्त्रोत

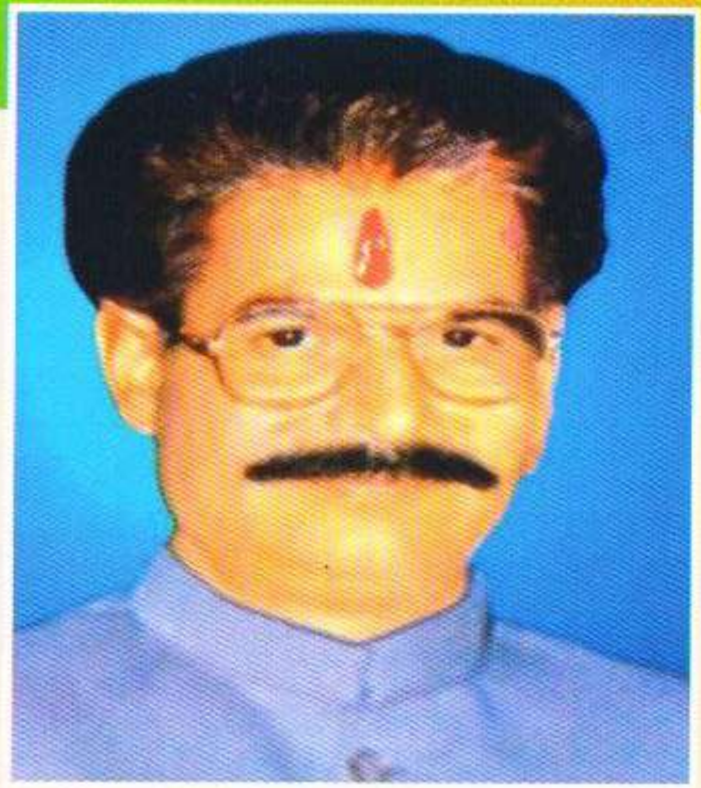

श्रद्धेय स्व. श्री गिर्राज प्रसाद शर्मा

काल की चट्टान पर
समय के पक्ष पर
तुम्हारी प्रेरणा से
जो ज्ञान का दीपक
प्रज्जवलित हुआ है....

अज्ञान का हरण कर अपने आलोक से युगों-युगों तक पीढ़ियों का पथ निर्देशन करता रहेगा।
नवीन पीढ़ी का सर्वांगीण विकास कर उसकी सृजनात्मक प्रतिमा द्वारा युगों-युगों तक राष्ट्र और समाज के उत्थान की ओर प्रेरित करता रहेगा।
''ज्ञान दीपक के प्रेरक आगत पीढ़ियां तुम्हारे चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर तुम्हें नमन करती रहेगी।''

Message from Secretary

प्रिय छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं,

तुम सभी अपने हृदय में भविष्य के सुनहरे स्वप्न संजोये, कुछ विशिष्ट बनने की महत्वाकांक्षा लिए इस महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे हो। तुम्हारे सामने सिविल, मैकेनिकल तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, चिकित्सा, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सी.ए. अनुसंधान, भूगर्भ–खगोलीय विज्ञान तथा विज्ञान की अनेक शाखाएं, सिविल सर्विस (प्रशासनिक तथा सैनिक प्रतियोगिताएं) तथा अन्य अनेक क्षेत्र खुले हुए हैं जो तुम्हें आकर्षित करके आमंत्रण दे रहे हैं। उनमें से तुम्हें अपनी रुचि, इच्छा तथा महत्वाकांक्षा के अनुरुप क्षेत्र चुन कर उसे प्राप्त करने का लक्ष्य बनाना है। जैसी तुम्हारी इच्छा, महत्वाकांक्षा, रुचि और लक्ष्य होगा वैसा ही तुम्हारा भविष्य और नियति होगी। वृहदारण्य उपनिषद् (IV.4.5) में कहा गया है–

You are what your deep, driving desire is
as your desire is, so is your will
as your will is, so is your deed
as your deed is , so is your destiny

महत्वाकांक्षा तुम्हारे लक्ष्य प्राप्ति के पथ का अथ (आरम्भ) है तथा लक्ष्य की सिद्धि इसका अन्त। यह लक्ष्य सिद्धि की यात्रा (अथ से अन्त तक) संघर्ष और चुनौतियों से भरी है। उनका सामना करने तथा उन पर विजय प्राप्त करने में शिक्षा ही तुम्हें सक्षम बनाती है। स्वामी विवेकानन्द जी शिक्षा का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहते हैं ''छात्र में अन्तर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति करना ही शिक्षा है। इसका लक्ष्य चरित्र निर्माण तथा छात्र में अन्तर्दृष्टि, तर्कशक्ति, विवेक,, निर्णय शक्ति तथा कल्पना का विकास है। हमें वह शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र बनता है, प्रतिभा का विस्तार होता है तथा आदमी अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है।'' ऐसी शिक्षा ही छात्र में अन्तर्निहित पूर्णता तथा प्रतिभा का विकास कर उसमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए संघर्ष तथा चुनौतियों का सामना करने की क्षमता उत्पन्न करती हैं। इस क्षमता को प्राप्त करने के लिए छात्रों में शिक्षा के प्रति समर्पित भाव, दृढ़ निश्चय, अनुशासन तथा लगन की आवश्यकता है।

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं, तुम जिस लक्ष्य प्राप्ति के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे हो उस लक्ष्य प्राप्ति के लिए तुम्हें समस्त प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना महाविद्यालय प्रबंध समिति का दायित्व है।

अध्ययन के लिए शान्त तथा उपयुक्त वातावरण, सुविधापूर्ण भवन, स्वच्छ, शुद्ध तथा हवायुक्त कक्षाकक्ष, अनुभवी, विद्वान एवं विशेषज्ञ प्राध्यापकगण, गुणात्मक शिक्षा, समस्त साधनों एवं उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, संदर्भ तथा आवश्यक पुस्तकों से पूर्ण पुस्तकालय तथा पत्र, पत्रिकाओं से पूर्ण वाचनालय की सुविधाएँ सभी महाविद्यालय में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त शारीरिक, मानसिक तथा भावात्मक विकास के लिए महाविद्यालय अनेक सहशैक्षणिक गतिविधियां संचालित करता है, जिससे प्रत्येक छात्र को अपनी प्रतिभा विकास के लिए अवसर मिल सके।

उपलब्ध साधनों का लाभ उठाते हुए अपने स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करो।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ।

डॉ. अनिल कुमार शर्मा
सचिव

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
गंगापुर सिटी

Message from Principal

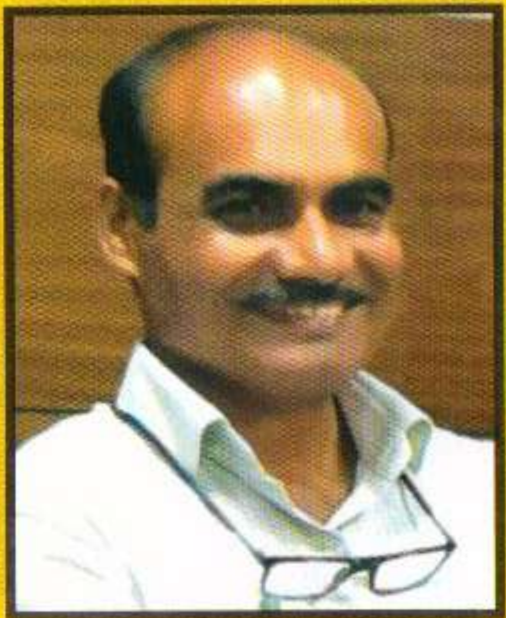

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
गंगापुर सिटी

प्रिय छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं,

शिक्षा मानव के चहुंमुखी विकास का सशक्त माध्यम एवं भावी जीवन हेतु तैयार होने का सुदृढ़ आधार है। विद्यार्थी को सम्यक शिक्षा देने, आत्म निर्भर बनने, आर्थिक, सामाजिक, नागरिकता इत्यादि मानवीय गुणों के विकास हेतु प्रशिक्षित अध्यापकों की महती आवश्यकता है। कौशल की आवश्यकता निज जीवन व व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में अपरिहार्य है। एक कुशल एवं प्रशिक्षित अध्यापक एक समृद्ध व विकासमान राष्ट्र का आधार स्तम्भ है। शिक्षण एक आदर्श व्यवसाय है। छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका ने उपर्युक्त उद्‌भावनाओं एवं संकल्प सुदृढ़तानुरुप इस व्यवसाय को चुना है, इस सद्‌भावना हेतु धन्यवाद।

शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।

to take education cradle to grave

महाविद्यालय के सभी घटक व सदस्य आपको सदैव सहयोग करते रहेंगे एवं महाविद्यालय परिवार की आप से आशा है कि आप आत्मानुशासित रहकर इसके वातावरण में अपना सकारात्मक एवं मौलिक सहयोग देकर स्वाध्याय के प्रति सजग व सतत् प्रयत्नशील रहेंगे।

आशा करते है कि एक कुशल प्रशिक्षित अध्यापक के रुप में अपने व्यक्तित्व का निर्माण करके इस संस्था, अपने परिवार, समाज, राज्य तथा राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे।

लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु बिना विश्राम किये निरन्तर आगे बढ़ना है।

The woods are lovely dark and deep
But I have promise to keep
and miles go before I sleep
Life is morning ....

महाविद्यालय आपको एक कुशल प्रशिक्षित संस्कारित व निष्ठावान अध्यापक के रुप में तैयार करने हेतु कृतसंकल्प है। आपको स्वर्णिम भावी जीवन की शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

डॉ. कृष्ण कान्त शर्मा
प्राचार्य एवं पूर्व अधिष्ठाता
शिक्षा संकाय, कोटा विश्वविद्यालय कोटा

महाविद्यालय परिचय

''एकान्त, स्वच्छ तथा शान्त वातावरण शारीरिक, मानसिक तथा भावात्मक विकास के लिए आवश्यक है। यह मन में एकाग्रता तथा ध्यान केन्द्रित करने में सहायक होता है।''

–गिब्सन

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, गंगापुर सिटी में मिर्जापुर रोड़ पर शहर की हलचल से दूर, प्रदूषण रहित अध्ययन के लिए उपयुक्त शांत, शुद्ध वातावरण में स्थित है। यह लगभग पाँच एकड़ भूमि में विस्तारित है। भवन के सभी कक्ष एवं प्रयोगशालाऐं यू.जी.सी., एन.सी.टी.ई. एवं कोटा विश्वविद्यालय कोटा के मापदण्डानुसार निर्मित स्वच्छ, शुद्ध वायु एवं प्रकाश की सुविधाओं से युक्त है। प्रशिक्षणार्थियों के सर्वागीण विकास के लिए गुणात्मक शिक्षा के लिए उपर्युक्त वातावरण, विद्वान शिक्षक, आवश्यक उपकरण, साधन तथा सुविधाऐं उपलब्ध कराने हेतु प्रबन्ध समिति तत्पर रहती है।

प्रारम्भ में इस संस्था की स्थापना तथा शिक्षा क्षेत्र के प्रेरणास्त्रोत स्व. श्री गिर्राज प्रसाद शर्मा ने सन 1982–83 में एक प्राथमिक विद्यालय के रुप में की थी। सफलता के पथ पर अग्रसर होते हुए प्राथमिक स्तर की शिक्षण संस्थाओ की स्थापना करते हुए 2005 में भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना की। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सन 2005 से प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ हो गया। अपने प्राथमिक काल में केवल बी.एड. स्तर पर कला एवं विज्ञान संकाय का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। प्रगति के सोपान पर बढ़ते हुए 2006 से बी.एस.टी.सी. एवं 2008 से एम.एड. पाठ्यक्रम संचालित है। वर्तमान में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में एम.एड. में 50 सीटें, बी.एड. में 200 सीटें तथा बी.एस.टी.सी. में 100 सीटें प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध है। महाविद्यालय में सत्र 2017–18 से इन्टीग्रेटेड कोर्स जिसमें बी.एस.सी., बी.एड./बी.ए., बी.एड. की 50–50 शीट प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध है। महाविद्यालय को नैक, बैंगलोर द्वारा 16–17 दिसम्बर 2016 में निरीक्षण कर जनवरी 2017 में 'बी+' ग्रेड प्रदान किया गया।

महाविद्यालय में मानवीय संसाधनों के साथ पर्याप्त रुप से भौतिक संसाधन उपलब्ध है। जिसमें फर्नीचर, श्यामपट्ट, पुस्तकालय, वाचनालय समावेशित है। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में 'हाइटेक युग' का मेरुदण्ड कम्प्यूटर की सुसज्जित प्रयोगशाला है।

सह शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सेमिनार, संगोष्ठी, भ्रमण, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में ध्वनि एवं ताप प्रतिरोधी विशाल बहुउद्देशीय कक्ष, घास व सुविधाओं से पूर्ण स्तरीय खेल मैदान, शीतल एवं शुद्ध पेयजल घर, स्वच्छ एवं बड़ा वाहन स्टेण्ड, स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय, कम्प्यूटर एवं अन्य साधनों से युक्त प्रशासनिक कक्ष आदि वांछित एवं उत्कृष्ट आधारभूत सुविधाऐं स्थापित है।

प्रवक्ताओं के अलावा मानवीय संसाधनों में प्रबन्ध समिति, लिपिक वर्ग एवं कर्मचारीगण भी अपनी अहम भूमिका रखते है। इनके सामूहिक प्रयासों से शिक्षण कार्य प्रभावी एवं सुचारु रुप से होता है।

प्रयोगशालाऐं

भाषा प्रयोगशाला

हमारे भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भाषा शिक्षण हेतु भाषा प्रयोगशाला स्थापित है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों से शुद्ध उच्चारण करवाना एवं उनमें उच्चारण कौशल को विकसित करना है। इस हेतु भाषा प्रयोगशाला में एक शिक्षक इकाई एवं बीस विद्यार्थी इकाई स्थापित हैं। जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी उच्चारण संबंधी समस्याओं का समाधान करते है। भाषा प्रयोगशाला में भाषा शिक्षक सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिसमें वह विद्यार्थियों के उच्चारण दोषों का निवारण करता है। प्रयोगशाला में टेपरिकार्डर व कम्प्यूटर की भी व्यवस्था है। जिनका प्रयोग विभिन्न भाषायी कैसेट्स को सुनाने हेतु किया जाता है। इस प्रकार यह भाषा प्रयोगशाला महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों के लिए अतिमहत्वपूर्ण है।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

भगवती शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों हेतु सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है। इसका उद्देश्य छात्रों को मनोवैज्ञानिक परीक्षण करना सिखाना है। मनोविज्ञान प्रयोगशाला में 67 प्रयोग / परीक्षण तथा विभिन्न मनोवैज्ञानिको के चित्र स्थापित है। जिसके अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों से विभिन्न मनौवैज्ञानिक जैसे व्यक्तित्व परीक्षण, बुद्धि परीक्षण, समायोजन तथा सृजनशीलता आदि के परीक्षण करवाये जाते है। प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगों तथा उपकरणों से सम्बन्धित जानकारियाँ दी जाती है। एम.एड.बी.एड. एवं बी.एस.टी.सी. के प्रशिक्षणार्थियों को उनके पाठ्यक्रम से सम्बन्धित परीक्षण जारी किये जाते है। इस प्रकार मनोविज्ञान प्रयोगशाला महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

शिक्षा तकनीकी प्रयोगशाला

आज का युग विज्ञान का युग है शिक्षा में वैज्ञानिक प्रभाव के कारण नए नए नवाचारों का उदय हुआ है। शिक्षण को प्रभावशाली रूचिकर एवं बोधगम्य बनाने के लिए शिक्षा में तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की शिक्षा तकनीकी प्रयोगशाला को आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। शिक्षा तकनीकी प्रयोगशाला में एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, ओ. एच.पी. रंगीन टी.वी., ट्रॉजिस्टर, डी.वी.डी., कैमरा, फ्लेनल बोर्ड, बुलेटिन बोर्ड, स्लाइड प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन, ट्रांसपैरेन्सी, विभिन्न शिक्षण कैसेट्स आदि नवीन तकनीकी संसाधनों का प्रयोग किया जाता है। प्रयोगशाला में उपर्युक्त संसाधनों का प्रयोग प्रशिक्षित प्राध्यापकों द्वारा अध्ययन कार्य करवाया जाता है। प्रशिक्षणार्थी भी रूचि एवं प्रकरणानुसार इनका प्रयोग करते है। इनके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों में नवाचार के प्रति जागृति उत्पन्न की जाती है।

गणित

गणित ऐसी विधाओं का समूह है जो संख्याओं, मात्राओं, परिमाणों रुपों और उनके आपसी रिश्तो, गुण, स्वभाव इत्यादि का अध्ययन करती है। गणित एक अमूर्त या निराकार और निगमनात्मक प्रणाली है।

प्रयोगशालाऐं

भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में भौतिक परीक्षणों हेतु सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला है। जिसमें एक साथ 50 प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षण करने की व्यवस्था उपलब्ध है।

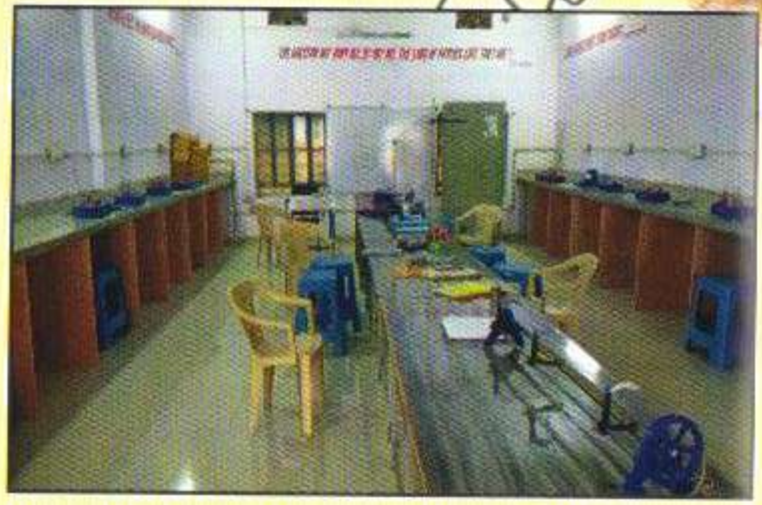

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में रसायन विज्ञान से सम्बन्धित परीक्षणों हेतु सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित रसायन विज्ञान प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में रसायन शास्त्र से संबंधित विभिन्न कार्बनिक एवं अकार्बनिक तत्वों का परीक्षण कराया जाता है।

जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में जन्तु विज्ञान से सम्बन्धित विभिन्न नमूने, सूक्ष्मदर्शी एवं जीवों की आंतरिक संरचना दर्शाने वाले चार्ट एवं मॉडलों से सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला है। जिसमें एक साथ 50 प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षण करने की व्यवस्था उपलब्ध है।

वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला में विभिन्न वनस्पतियों जैसे शैवाल, कवक, ब्रायोफायटा, टेरिडोफायटा आदि की शारीरिकी व आकारिकी की जानकारी प्रयोगात्मक रुप से दी जाती है। एक साथ 50 प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षण करने की व्यवस्था उपलब्ध है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

वर्तमान समय में कम्प्यूटर हर क्षेत्र की आवश्यकता बन गया है। इसी बात के ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में बी.एस.टी.सी., बी.एड. व एम.एड. के प्रशिक्षणार्थियों को कम्प्यूटर अनुप्रयोग में दक्ष करने के लिए एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। जिसमें 20 कम्प्यूटर लगे हुए हैं। प्रयोगशाला पूर्णतः स्वच्छ एवं वातानुकूलित है। जिसमें एक साथ 40 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सुविधा है। प्रयोगशाला में प्रत्येक कम्प्यूटर पर इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षणार्थियों को इण्टरनेट का प्रयोग करना सिखाया जाता है। प्रवक्ताओं द्वारा पावर पॉइन्ट में स्लाइड बनाकर शिक्षण में उनका उपयोग करना भी प्रशिक्षणार्थियों को सिखाया जाता है।

एस.यू.पी.डब्ल्यू. प्रयोगशाला

महाविद्यालय में समाज उपयोगी उत्पादक कार्य एवं कार्यानुभव प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला में छात्राध्यापक / छात्राध्यापिकाओं को समाज की उन्नति में अपना योगदान देने के अवसरों से परिचित कराया जाता है। यहां दैनिक कार्यो हेतु आवश्यक वस्तुओं का निर्माण करना सिखाया जाता है। समाज उपयोगी उत्पादक शिविर के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, विभिन्न कुरीतियों के विरूद्ध जनजागृति रैलिया, बीमारियों की रोकथाम हेतु जन जागृति कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। साथ ही विभिन्न वस्तुओं जैसे मोमबत्ती, अमृत धारा, मंजन, वैसलीन, चॉक आदि निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाता है।

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
गंगापुर सिटी

पुस्तकालय एवं वाचनालय

वर्तमान समय में पुस्तकालयों की भूमिका सूचना केन्द्र के रूप में बदल गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में किसी भी शोधकर्ता के लिए अपने शोधकार्य को अद्यतन बनाये रखने के लिए डेलनेट (Developing Library Network, DELNET, N-LIST) दक्षिण एशिया के पुस्तकालय नेटवर्क को आपस में जोडता है। N-LIST का संचालन (INFLIB NET) द्वारा किया जाता है। यह पहल भारतीय शिक्षा और अनुसंधान समुदायों को उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक संसाधनों से जोड़ती है। महाविद्यालय DELNET एवं नेशनल लाईब्रेरी एण्ड इन्फोरमेशन सर्विसेज इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑफ स्कॉलर कन्टेंट (N-LIST) का सदस्य है। अतः इसके द्वारा प्रदत्त सुविधाऐं महाविद्यालय प्रशिक्षणार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय में विभिन्न पुस्तकों से (एन.सी.ई.आर.टी., शब्दकोश, विश्वकोश) से पाठक अध्ययन करते है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय के नियम

1. पुस्तकालय में बिना परिचय पत्र दिखाए प्रवेश निषेध है।
2. प्रशिक्षणार्थी अपनी व्यक्तिगत पुस्तकें अथवा अन्यसामग्री पुस्तकालय से बाहर रखने के बाद ही प्रवेश कर सकेंगे।
3. पुस्तकालय में शांति बनाए रखना एवं नियमों का पालन करना प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी का उत्तरदायित्व होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर प्रशिक्षणार्थी को पुस्तकालय में प्रवेश से वंचित कर दिया जावेगा।
4. पुस्तकालय कार्ड पर छात्र/छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें ही अध्ययन के लिए दी जायेंगी। प्रश्न पत्र, समाचार पत्र एवं पत्रिकाऐं पुस्तकालय से बाहर ले जाने की अनुमति नही दी जा सकेगी।
5. संदर्भ ग्रन्थों के घर ले जाने की अनुमति नही दी जाएगी। संदर्भ ग्रन्थों का अध्यन केवल पुस्तकालय में ही किया जाएगा।
6. प्रत्येक पुस्तकालय कार्ड अहस्तांतरणीय होगा। उसके बिना प्रशिक्षणार्थी पुस्तकालय सुविधाओं से वंचित रहेगा।
7. पुस्तकालय कार्ड के खोने की स्थिति में यथाशीघ्र पुस्तकालयाध्यक्ष को सूचना देनी होगी। नया कार्ड निर्धारित शुल्क – 25/–
8. पुस्तक खो जाने, पृष्ठ निकलने, या पृष्ठ फट जाने पर अथवा उस पर नाम लिखकर या किसी प्रकार की टिप्पणी लिखकर अनुपयोगी कर देने पर, उस पुस्तक के स्थान पर दूसरी नयी प्रति पुस्तकालय में जमा करानी होगी अन्यथा पुस्तक का दुगना मुल्य चुकाना होगा।
9. पत्र – पत्रिकाओं, समाचार पत्रों एवं पुस्तको से शिक्षित सामग्री अथवा चित्र काटना दण्डनीय अपराध है।
10. पुस्तकालय में पुस्तक लौटाने की अंतिम तिथि के बाद पुस्तक वापसी पर एक रूपया प्रतिदिन प्रतिपुस्तक आर्थिक दण्ड देना होगा।
11. प्रत्येक कार्ड को धारक को अधिकाधिक 4 पुस्तके एक साथ अधिकाधिक 10 दिन के लिए दी जाएंगी।
12. परीक्षा अवकाश में पुस्तकालय से पुस्तक दोगुनी कीमत अदा करने पर अध्ययन हेतु स्वीकृत की जा सकती है। वह धन राशि पुस्तक लौटाने पर वापस करदी जाएगी।
13. सत्र के अन्त में अदेय प्रमाणपत्र (NOC) पत्र लेने से पूर्व पुस्तकालय कार्ड पुस्तकालय में जमा कराने होंगे।

नोटः– पुस्तकालय एवं वाचलालय के नियमों के पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा प्राचार्य के निर्देश पर बदलाव सम्भव है।

आचार संहिता एवं अनुशासन

* सभी छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं को अनुशासन बद्ध रहकर महाविद्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।
* सभी प्रशिणार्थियों को महाविद्यालय गणवेश में आना है।
* बीमारी की स्थिति में अनुपस्थित रहने पर चिकित्सकीय प्रमाण पत्र, प्राचार्य को पुस्तुत करना अनिवार्य है।
* प्रशिक्षणार्थी को प्रत्येक सैद्धान्तिक विषय तथा शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उपस्थित अनिवार्य है, अन्यथा विश्वविद्यालय नियमानुसार जो अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी, उसका उत्तरदायी स्वयं प्रशिक्षणार्थी होगा।
* सभी प्रशिक्षणार्थियों को आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा देना अनिवार्य है, छात्र/छात्रा आन्तरिक मूल्यांकन अंको से वंचित रह सकते है जिसका जिम्मेदार स्वयं छात्र/छात्रा होगा, इससे विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम भी प्रभावित हो सकता है।
* प्राचार्य द्वारा बिना पूर्व स्वीकृत अवकाश पर रहने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
* बिना पूर्व अनुमति के 03 कार्य दिवस से अधिक अनुपस्थिति रहने पर छात्र/छात्रा का नाम महाविद्यालय उपस्थिति पंजिका से पृथक कर दिया जाएगा तथा पुनः प्रवेश की कार्यवाही नियमानुसार पूर्ण करनी होगी।
* शिक्षणाभ्यास, सामयिक जांच, एस.यू.पी.डब्ल्यू. शिविर आदि क्रियाओं के दौरान अवकाश देय नही होगा।
* स्कूल इन्टर्नशिप फेज–प्रथम (चार सप्ताह) एवं फेज–द्वितीय (16 सप्ताह) में 90 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
* प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थी को किसी दूसरी संस्था से किसी भी प्रकार का शिक्षण, प्रशिक्षण प्राप्त करने, सरकारी या गैर सरकारी सेवा करने या छात्रवृत्ति प्राप्त करने की स्वीकृति नही होगी, यदि प्रशिक्षणार्थी ऐसा करता पाया गया और विश्वविद्यालय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्यवाही होती है तो उसका उत्तरदायी स्वयं छात्र होगा।

उपस्थिति संबंधी नियम:

विश्व विद्यालय व शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को अपने शिक्षण सत्र में कम से कम 80 प्रतिशत उपस्थिति देना अनिवार्य है। यदि इससे कम उपस्थिति होती है तो प्रशिक्षणार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। आवश्यक प्रार्थना पत्र स्वीकृति का तात्पर्य उपस्थिति गणना नहीं होगा। स्वास्थ खराब होने पर मेडिकल सर्टिफिकेट जमा कराना आवश्यक है।

परिषदों का गठन :

महाविद्यालय द्वारा प्रशिक्षण में विभिन्न दायित्वों की पूर्ति हेतु अनेक परिषदों का गठन किया जाता है। उनके प्रभारी एवं सदस्यों को अपना–अपना कार्य जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करना होता है। सम्बन्धित सदन प्रभारी को अपनी फाइल में विभिन्न प्रतिवेदन सुरक्षित रखने पड़ते है।

छात्रवृत्तियाँ

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनु. जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु जारी छात्रवृत्तियों के साथ–साथ समय–समय पर अन्य वर्गो के लिए सरकारा द्वारा जारी छात्रवृत्तिया भी महाविद्यालय में अध्ययनरत पात्र प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त होती है। इस हेतु पात्र प्रशिक्षणार्थियों को सम्बन्धित विभाग में समय–समय पर आवेदन करना अनिवार्य है।

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
गंगापुर सिटी

पाठ्य सहगामी क्रियाऐं :

महाविद्यालय परिसर में नियमित एवं पाठ्यक्रमानुसार विविध पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन होता रहता है। जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों का भाग लेना अनिवार्य है। ये क्रियाऐं शैक्षिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आदि होती है, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व का चहुँमुंखी विकास होता है।

महाविद्यालय पत्रिका :

महाविद्यालय प्रतिवर्ष ''आस्था'' नामक पत्रिका का प्रकाशन करता है। यह पत्रिका विद्यार्थियों की वैचारिक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करती है। वर्ष की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियों को प्रतिबिम्बित करती है। इसमें विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के विभिन्न विषयों से सम्बन्धित मौलिक लेख, कविता, कहानी – संस्मरण आदि रचनाऐं प्रकाशित होती है। पत्रिका की गुणवत्ता में निरन्तर वृद्धि हो रही है। यह पत्रिका सृजनात्मकता के साथ महाविद्यालय की विकास यात्रा का दर्पण प्रस्तुत करती है।

रोजगार परामर्श प्रकोष्ठ:

महाविद्यालयी शिक्षा के द्वारा विद्यार्थी के व्यक्तित्व को सबल बनाया जाता है ताकि वह कुशल नागरिक बन सके। इसके साथ उसमें व्यावहारिक कौशलों का विकास किया जाता है ताकि सुखमय जीवन जी सके।

आज विद्यार्थी के लिए अकादमिक शिक्षा के बाद व्यावसायिक शिक्षा हेतु अनेक पाठ्यक्रम उपलब्ध है। ऐसे अनेक मार्ग है जिन पर चलकर कोई विद्यार्थी अपने भविष्य की वृति का निर्धारण कर सकता है। उस मार्ग का चयन बुद्धिमत्ता से किया जाना आवश्यक है। विद्यार्थी की इसी समस्या निवारणार्थ महाविद्यालय में रोजगार परामर्श प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जो विद्यार्थी को उचित व्यावसायिक निर्देशन या मार्ग निर्देशन देती है।

खेलकूद

'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है' की उक्ति को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को पुष्ट करने हेतु खेलकूद एवं शारीरिक प्रतियोगिता के महत्व देता है। यह सही है कि खेल मैदान ऐसी प्रयोगशाला है जहाँ विद्यार्थी अभ्यास, सहयोग, त्याग, एकता आत्मविश्वास जैसे गुणों को अंगीकार करते है। खेलों की उपादेयता को स्वीकार करते हुए खेलकूद गतिविधियों के संचलानार्थ महाविद्यालय में फुटबाल, कबड्डी, खो–खो, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, भारोत्तलन, बैडमिण्टन, हैण्डबॉल, क्रिकेट, वालीवॉल आदि खेल खेलने की व्यवस्था है।

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष – मूल्यांकन योजना

प्रथम वर्ष :

क्र.सं.	प्रश्न पत्र क्र.सं.	प्रश्न पत्र	मूल्यांकन		योग
			बाह्यांक	अन्तरांक	
1.	प्रथम	बच्चे और बचपन	70	30	00
2.	द्वितीय	शिक्षा के उद्देश्य, ज्ञान और पाठ्यचर्या	70	30	100
3.	तृतीय	भारतीय समाज और शिक्षा	70	30	100
4.	चतुर्थ	भाषा, संज्ञान और समाज, पाठ्यचर्या के सन्दर्भों में	35	15	50
5.	पंचम्	हिन्दी भाषा–शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
6.	षष्टम्	अंग्रेजी भाषा–शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
7.	सप्तम	गणित शिक्षण	60	40	100
8.	अष्टम्	पर्यावरण अध्ययन शिक्षण	60	40	100
9.	नवम्	कला शिक्षण	20	30	50
10.	दशम्	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (ICT)	20	30	50
	योग		525	325	850
		विद्यालय अनुभव	75	175	250
	महायोग		600	500	1100

ध्यातव्य :

1. प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घंटे का होगा।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र के आंतरिक एवं बाह्य मूल्यांकन में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।
3. प्रत्येक विषय में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष – प्रश्न पत्रों की रूपरेखा

द्वितीय वर्ष :

क्र.सं.	प्रश्न पत्र क्र.सं.	प्रश्न पत्र	मूल्यांकन		योग
			बाह्यांक	अन्तरांक	
1.	प्रथम	बच्चे और सीखना	70	30	100
2.	द्वितीय	विद्यालय संस्कृति, प्रबन्धन और शिक्षक	70	30	100
3.	तृतीय	आधुनिक विश्व में विद्यालयी शिक्षा	70	30	100
4.	चतुर्थ	हिन्दी भाषा–शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
5.	पंचम्	अंग्रेजी भाषा–शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
6.	षष्टम्	गणित शिक्षण	60	40	100
7.	सप्तम	तृतीय भाषा–संस्कृत/उर्दू/पंजाबी/सिन्धी/गुजराती	60	40	100
8.	अष्टम्	स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा	30	20	50
9.	नवम्	सामाजिक विज्ञान/विज्ञान	60	40	100
	योग		540	310	850
		विद्यालय अनुभव	150	400	550
	महायोग		690	710	1400

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय गंगापुर सिटी

ध्यातव्य :

1. प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घंटे का होगा।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। उत्तीर्ण के लिए 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र के आंतरिक एवं वाह्य मूल्यांकन में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
गंगापुर सिटी

Vision & Mission of the College

- To inculcate values relevant to moral, social and national needs.
- To encourage students in dreaming and achieving their goal in their career.
- To promote student's own decision making power.
- To make students aware regarding commitments and responsibilities towards the society.
- To make the students academically strong and versatile.
- To create target oriented aptitude in the students.
- To inculcate gender equity among the students.

Glimpses of College
National Seminar on
Teacher Education

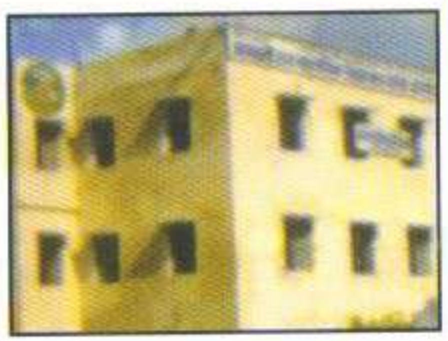

शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध संस्थान

भगवती बाल विद्यालय समिति
गंगापुर सिटी

- **भगवती प्राथमिक विधालय**
  गणेश मिल, गंगापुर सिटी
- **भगवती प्राथमिक विधालय**
  नसिया कॉलोनी, गंगापुर सिटी
- **भगवती उच्च माध्यमिक विधालय**
  नसिया कॉलोनी, गंगापुर सिटी
- **भगवती बालिका उच्च माध्यमिक विधालय**
  गणेश मिल, गंगापुर सिटी
- **भगवती उच्च माध्यमिक विधालय**
  गणेश मिल, गंगापुर सिटी
- **भगवती स्नातकोत्तर महाविधालय**
  मिर्जापुर रोड, गंगापुर सिटी
- **भगवती प्राईवेट आई.टी.आई.**
  मिर्जापुर रोड, गंगापुर सिटी
- **भगवती कन्या महाविधालय**
  उदेई मोड़, गंगापुर सिटी
- **भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविधालय**
  मिर्जापुर रोड, गंगापुर सिटी
- **बी.एम. इंग्लिश मीडियम स्कूल**
  उदेई मोड़, गंगापुर सिटी

Governed by : Bhagwati Bal Vidyalaya Samiti, Gangapur City